

डॉ. जेफ़री हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 3, पुरातत्व पद्धति

© 2024 जेफ़री हडॉन और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफ़री हडॉन हैं। यह सत्र 3, पुरातत्व पद्धति है।

ठीक है, हमारा अगला विषय वास्तव में पुरातत्व में कार्यप्रणाली है, लेकिन मैं फिर से करीब से देखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को इंगित करना चाहता हूँ।

आइए नए नियम में पुरातत्व बनाम पुराने नियम में पुरातत्व पर विचार करें। हमारे यहाँ वास्तव में दो अलग-अलग जानवर हैं, केवल कालानुक्रमिक रूप से नहीं। यदि आप पुरातत्व को देखते हैं और पुराने नियम के संदर्भ में पुरातत्व का अध्ययन करते हैं, तो आप साम्राज्यों के साथ, राजाओं के साथ, प्रमुख लड़ाइयों के साथ, साम्राज्यों और क्षेत्रीय राज्यों के बीच शाही और प्रमुख आंदोलनों के साथ काम कर रहे हैं, और ये सभी बहुत सारे पुरातात्विक डेटा बनाते हैं, विनाश, निर्माण कार्यक्रम, और निश्चित रूप से इनका अक्सर पवित्रशास्त्र में उल्लेख किया गया है।

नए नियम में, पुरातत्व को पाठ से जोड़ना अधिक कठिन है क्योंकि ईसाई धर्म शुरू में यहूदी धर्म के भीतर एक आंदोलन, एक आध्यात्मिक-धार्मिक आंदोलन था, और इससे उन पुरातात्विक खोजों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है जो सीधे पाठ से संबंधित हैं। इसलिए, पुराने नियम में, मैं तर्क दूंगा कि पुरातत्व बाइबिल के दोनों हिस्सों में स्पष्ट रूप से प्रासंगिक है, लेकिन नए की तुलना में पुराने नियम में अधिक प्रासंगिक है। अब, बाइबिल अध्ययन में, मैं इस पर विचार करना पसंद करता हूँ, और अन्य लोग भी ऐसा करते हैं, पुरातत्व एक तरह से पांचवाँ सुसमाचार है।

यह हमें पवित्रशास्त्र और अन्य प्राचीन समकालीन अभिलेखों के लिए एक बाहरी जाँच या एक बाहरी पूरक प्रदान करता है। यह फिर से अतिरिक्त जानकारी, अंतर्दृष्टि और भौतिक साक्ष्य प्रदान करता है, जो बाइबिल के विवरण को प्रमाणित करेगा। पुराने नियम और पुरातत्व पर वापस जाएं, तो यह प्रासंगिक है क्योंकि बाइबिल के बाहर हमारे ऐतिहासिक स्रोत बहुत सीमित हैं।

कुछ मिस्र, असीरियन और बेबीलोनियन रिकॉर्ड हैं, लेकिन ये फिर से बहुत कम हैं और बहुत सारे बड़े अंतराल हैं, और इसलिए पुरातत्व हमें उन अंतरालों को भरने में मदद करता है और हमें, फिर से, उन रिकॉर्डों के लिए एक बाहरी पुष्टि देता है जो मौजूद हैं। निकट पूर्वी पुरातत्व की परिभाषा: भौतिक विज्ञान और इतिहास का मिश्रण जो भौतिक अवशेषों से प्रागैतिहासिक और ऐतिहासिक, दोनों मानवता के अतीत के साक्ष्य खोजने का प्रयास करता है। तो यह बाइबिल पुरातत्व से परे पुरातत्व की एक बड़ी परिभाषा है।

अब हम कार्यप्रणाली की ओर आते हैं। खोजने के लिए क्या बचा है? दुर्भाग्य से, ज़्यादा नहीं। हम कभी-कभी यह समझाने या दिखाने की कोशिश करेंगे कि पुरातत्व एक पहली की तरह है, 90% गायब टुकड़ों को एक पहली में डालने की कोशिश करते हैं।

जो टुकड़े हैं, उनसे आप कुछ सुसंगत चित्र बनाने का प्रयास करें और निर्णय लेने का प्रयास करें या कल्पना करने का प्रयास करें कि रिक्त स्थान को भरने के लिए क्या कमी है। हमारे लिए खोजने के लिए क्या बचा है? खैर, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, मिट्टी के बर्तन। मिट्टी के बर्तन पुरातत्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं और हम इसके बारे में एक मिनट में बात करेंगे।

इसका उपयोग लगभग हर चीज़ के लिए किया जाता था। फिर, प्लास्टिक के बिना एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें, जहां धातु बहुत दुर्लभ और महंगी है। लकड़ी, फिर से, दुर्लभ है और उतना उपयोग नहीं किया जाता जितना हम आज इसका उपयोग करते हैं।

इसलिए, मिट्टी के बर्तनों को भंडारण, खाना पकाने के बर्तन, खाने आदि के लिए छोड़ दिया जाता है और इसलिए, मिट्टी के बर्तन, फिर से, किसी भी प्रकार के सिरेमिक बर्तन में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। धातु, कीलें, हथियार और औज़ार।

और फिर, निस्संदेह, 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व के बाद, सिक्के दिखाई देने लगे। और 5वीं शताब्दी और 4वीं शताब्दी तक, फ़ारसी काल के दौरान, सिक्के डेटिंग स्तरों या स्तरों या साइटों में एक महत्वपूर्ण पहलू बन गए, क्योंकि सिक्के, फिर से, मिट्टी के बर्तनों के साथ-साथ एक उत्कृष्ट डेटिंग उपकरण हैं। पत्थर का उपयोग अक्सर पीसने, बेलने, स्लिंग पत्थर आदि के लिए किया जाता है।

यह बाइबल देशों में भी प्रचलित है। लकड़ी, चर्मपत्र, चमड़ा और कपड़ा जैसी खराब होने वाली सामग्रियां शायद ही कभी जीवित रहती हैं, लेकिन कभी-कभी बच जाती हैं।

जब वे ऐसा करते हैं, तो यह बहुत ही अनोखे, शुष्क, रेगिस्तान-प्रकार के वातावरण में होता है, जैसे कि मृत सागर स्कॉल और कुमरान। हम कुमरान शब्द का उपयोग करना पसंद करते हैं क्योंकि यह यह समझने के लिए एक बहुत ही सामान्य अवशेष है कि आज हमारे लिए क्या खोजना बाकी है। तो, बहुत कम, लेकिन हमें जो मिलता है उसे लेना है और उसका अधिकतम लाभ उठाना है, उससे अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करनी है।

अब तक, पुरातत्व में सबसे महत्वपूर्ण पहलू, और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम इसके बारे में और अधिक बात करेंगे, शिलालेख हैं। और शिलालेख क्यों महत्वपूर्ण हैं? खैर, फिर से, लेखन, वर्णमाला, दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के मध्य में कहीं दिखाई दी। उससे पहले, चित्रलेख और क्यूनिफॉर्म।

लेकिन लिखना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह प्राचीन लेखक, प्राचीन व्यक्ति को सीधे पाठक से जोड़ता है, चाहे वह लेखक का समकालीन हो या हमारे समकालीन हो। अब, लेखन या शिलालेख अक्सर मिट्टी के बर्तनों पर दिखाई देते हैं, और इन्हें ओस्ट्राका कहा जाता है। हमने पहले, संक्षेप में, या एकवचन में, ओस्ट्राकॉन का उल्लेख किया था।

अब, बहुत सारे हिब्रू ओस्ट्राका पाए गए हैं, बहुत अधिक मात्रा में नहीं, बल्कि काफी मात्रा में। सबसे महत्वपूर्ण में से कुछ हैं मेसाड हशव्याहु शिलालेख, या ओस्ट्राका, जो 7वीं शताब्दी के अंत में भूमध्य सागर के ठीक किनारे एक छोटे से किले में पाया गया था। और फिर अराद के एक

किले से ओस्ट्राका के भंडार जैसा एक भंडार, जिसका हमने उल्लेख किया था, 1960 के दशक में अहरोनी द्वारा खुदाई की गई थी।

और ये लिखे गए थे, ये किले के कमांडर एलियाशिब द्वारा भेजे गए संक्षिप्त संदेश थे। और फिर, हमें सैन्य गतिविधियों और आपूर्ति गतिविधियों और एडोमाइट हमले के डर के बारे में बता रहे हैं। बहुत महत्वपूर्ण, इसराइल के इतिहास या यहूदा के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवधि का एक सैपशाट जब यरूशलेम बेबीलोनियों के कब्जे में आने वाला था।

इससे पहले, लाकीश ओस्ट्राका 1930 के दशक में लाकीश के प्रमुख शहर के प्रवेश द्वार, आंतरिक प्रवेश द्वार में पाए गए थे। फिर से, वही समय सीमा। यहूदा का बेबीलोनियों के हाथों गिरना।

और ये, फिर से, प्रेषण हैं, कभी-कभी हताश इरादे से, इस बारे में जानकारी चाहते हैं कि कौन से शहर बेबीलोनियों के कब्जे में आ गए हैं और कौन से नहीं। और मार्मिक रूप से, लाकीश पत्रों में से एक, या लाकीश ओस्ट्राका, यिर्मयाह 34:7 के समान है, जब इसमें उल्लेख किया गया है कि केवल लाकीश और एजेकिय्याह बेबीलोनियों के अधीन हुए बिना यरूशलेम से अलग रह गए थे। और यह, वहां मौजूद ओस्ट्राका में से एक जो मुझे पाँवरपाइंट पर मिला है, इसका पाठ बहुत, बहुत अच्छी तरह से समानता रखता है।

तारीख कैसी रही? फिर, बाद के सिक्के फ़ारसी काल के बने हुए हैं। मिट्टी के बर्तन, हम उसके बारे में बात करेंगे। मिट्टी के बर्तनों की तरह स्थापत्य और कलात्मक शैलियाँ भी बदलती हैं।

और, निःसंदेह, पिछली कुछ पीढ़ियों में, कार्बनिक पदार्थों के लिए कार्बन 14 या सी14 डेटिंग बहुत महत्वपूर्ण है, साथ ही बाइबिल के बाहर के ऐतिहासिक स्रोत जो बाइबिल के पाठ के समकालीन हैं। तो, ये सभी डेटिंग अवशेषों के लिए महत्वपूर्ण हैं। अंततः, पुरातत्व एक विनाशकारी विज्ञान है।

फिर, आप किसी साइट की दो बार खुदाई नहीं कर सकते। हमने डेटा प्रकाशित करने के महत्व के बारे में बात की। यदि आप डेटा प्रकाशित नहीं करते हैं या डेटा को खुदाई से प्रकाशित नहीं किया जाता है, तो सब कुछ खो जाता है क्योंकि आप आमतौर पर वापस नहीं जा सकते हैं और जो आपके पास पहले से है उसे फिर से खोज नहीं सकते हैं।

आप शायद अपने निष्कर्षों का परीक्षण करने या साइट को समझने के लिए ऐसी जगहें ढूँढ सकते हैं जहां उन्होंने खुदाई नहीं की है। लेकिन जब तक आपके पास उत्खननकर्ताओं से डेटा नहीं है कि उन्होंने रिकॉर्ड रखा है, आपके पास शायद कुछ कलाकृतियों के अलावा कुछ भी नहीं है। और वे, फिर से, खुदाई आम तौर पर पांच-पांच-मीटर वर्ग या खाई में की जाती है।

और इस तरह आप उससे अपना डेटा प्राप्त करते हैं। पुरातत्व का दुरुपयोग. वहां बहुत सारे हैं।

और जैसा कि हमने अपनी पिछली स्लाइडों में देखा था, पवित्र भूमि पर प्रारंभिक पुरातात्विक अभियान खजाने की खोज करने वालों की लूट-पाट से बहुत कम थे। वे यूरोप और संयुक्त राज्य

अमेरिका में अपने संग्रहालयों के लिए कलाकृतियों, स्मारकों और कलात्मक अलंकरण की तलाश में थे। इससे भी बुरी बात यह है कि अब हमारे पास आईएसआईएस जैसे चरमपंथी हैं, जिन्होंने सीरिया देश, सीरिया में कई अवशेषों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।

और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम उनमें से कुछ को देखेंगे। बहुत बहुत दुःखी। टैडमोर, या महान रोमन शहर पलमायरा, पूरी तरह से नष्ट हो गया था, और नीनवे के कुछ हिस्सों सहित अन्य स्मारक भी नष्ट हो गए थे।

पुरातत्व का एक और दुरुपयोग इसका उपयोग राष्ट्रवादी उद्देश्यों के लिए करना है। अब, हमने पुरातत्व के शुरुआती वर्षों में फिर से देखा कि पुरातत्व एक तरह से सैन्य खुफिया जानकारी के लिए एक आड़ थी, जो संभावित सैन्य गतिविधियों या सेनाओं की गतिविधियों के लिए भूमि को बाहर निकालती थी। इसके अलावा, राष्ट्रीय प्रतिष्ठा यह है कि सबसे पहले इसे प्राप्त करें या उसे खोजें या जो आपने पाया है उसे प्रदर्शित करें और नए सिद्धांत या नए ऐतिहासिक निष्कर्ष निकालें।

इससे भी बदतर समकालीन राष्ट्रवादी दावे या आपके द्वारा खोजे गए डेटा के ऐतिहासिक दावे हैं। यह बहुत व्यक्तिपरक है और कुछ इजरायली और कई फिलिस्तीनी प्राधिकारी पुरातत्वविदों द्वारा किया गया है। वे साइट के कुछ पहलुओं को नज़रअंदाज़ करते हैं या अनदेखा करते हैं और अन्य क्षेत्रों और ऐतिहासिक कालखंडों, विशेष रूप से लोगों को बड़ा करते हैं या बढ़ाते हैं।

धार्मिक उद्देश्य पुरातत्व का दुरुपयोग हो सकते हैं। फिर से, अपने धार्मिक विचारों और धार्मिक या बाइबिल व्याख्या की धार्मिक पुष्टि की तलाश में हूं। हम इसे पुरातात्विक आइसिजेसिस कहते हैं।

इसका दुरुपयोग अधिकतमवादी और न्यूनतमवादी दोनों तरफ से किया जा सकता है। जो लोग, फिर से, विश्वास करते हैं कि बाइबल ईश्वर का वचन है और धर्मग्रंथ के प्रति उच्च दृष्टिकोण रखते हैं, वे सबूतों को बहुत आगे बढ़ाकर इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। और, निःसंदेह, जो लोग न्यूनतमवादी हैं वे धर्मग्रंथ का समर्थन करने वाले साक्ष्यों को नज़रअंदाज़ करके इसका दुरुपयोग कर सकते हैं।

और न्यूनतमवादी, वैचारिक उद्देश्यों की बात कर रहे हैं जो बाइबल का विरोध करते हैं। और फिर, पुरातत्व के साथ यह एक सामान्य मुद्दा है। और आपको यह सुनिश्चित करने के लिए आलोचनात्मक रुख के साथ पढ़ना और पढ़ना होगा कि यह किसी के स्वार्थ की पूर्ति नहीं कर रहा है।

पुरातत्व के क्षेत्र में बहुत सारे बड़े अहंकार हैं। और ये सच भी है। इसलिए, लोगों को इन सबके बारे में अच्छी तरह से जागरूक होने की जरूरत है।

सवालियों के जवाब देने के लिए पुरातत्व का उचित उपयोग, प्राचीन अतीत के बारे में ज्ञान की खोज को पूरा करने के लिए और योगदान देने की गहरी इच्छा को पूरा करने के लिए, फिर से, इनमें से कुछ सवालियों का जवाब दें, सुझाव दें कि शायद इसे इस तरह से संभाला गया था या इस तरह से

किया गया था। और यह कुछ पुरातात्विक साक्ष्य हैं जो इसका समर्थन कर सकते हैं। डेटा को खोदने, संसाधित करने और प्रकाशित करने की प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करना।

एक, बस इसका एक उदाहरण, एक सीज़न में, मैं एंड्रयूज के साथ हेशबोन, ताल हिस्पैन की साइट पर खुदाई कर रहा था। और मेरी बेटी, जो खोदी हुई मिट्टी को छान रही थी, छान रही थी, उसे एक सुंदर मुहर मिली। और मुझे लगा कि सील की तारीख उससे भी पहले की है, लेकिन मैं इसे लेकर काफी उत्साहित था।

लेकिन अध्ययन के माध्यम से और समानताएं देखने के माध्यम से, मुझे एहसास हुआ कि जितना मैं चाहता था, उससे कहीं देर हो गई। लेकिन यह अभी भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण खोज थी। यह सातवीं सदी की अम्मोनी प्रतिमा है, एक आइबेक्स और उसके युवा और कुछ अन्य की सुंदर प्रतिमा, एक छिद्रित छोटे पत्थर की मुहर पर अन्य प्रतीकवाद, इसलिए इसे गर्दन से लटका दिया गया था।

वैसे भी, तो आपको यह करना होगा, भले ही आप कुछ बनने की लालसा रखते हों और चाहते हों, आपको उसका अध्ययन करना होगा और उसे उसी रूप में प्रकाशित करना होगा जो वह है, न कि वह जो आप चाहते हैं कि वह हो। बाइबिल संबंधी सहसंबंध बनाने से पहले डेटा को पूरी तरह से एकत्र करना, उसका आकलन करना और उसका अध्ययन करना। यह हममें से उन लोगों के लिए कठिन है जिनका पुरातत्व के प्रति आस्था-आधारित दृष्टिकोण है, लेकिन आपको इसके बारे में सावधान रहना होगा।

किसी खोज के साथ बाइबिल संबंधी संबंध बनाने में जल्दबाजी न करें। करने में आसान। मैंने इसे स्वयं किया है।

लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसे हमें लगातार खुद को जांचना होगा और कहना होगा, ठीक है, इसका संबंध धर्मग्रंथ से हो सकता है या नहीं भी हो सकता है। और उस बयान को देने से पहले, आगे के अध्ययन और परीक्षण के साथ, अधिक स्पष्ट समझ तक पहुंचने का प्रयास करें। अपनी विशेषज्ञता से परे खोजों की व्याख्या करने का प्रयास करने के बजाय पेशेवर सहायता प्राप्त करें।

यहाँ बहुत महत्वपूर्ण है। हमने उल्लेख किया कि नया पुरातत्व, फिर से, यह चाहता है, चाहता है कि खुदाई बहु-विषयक हो। और इसलिए, आपको विशेषज्ञों की आवश्यकता है।

यदि आप किसी क्षेत्र में विशेषज्ञ नहीं हैं, तो आपको अपने निष्कर्षों की व्याख्या करने या रिकॉर्ड करने से पहले उसकी उचित समझ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। डेटा रिकॉर्ड करने, एकत्र करने और संग्रहीत करने में असाधारण रूप से व्यवस्थित रहें। यह आश्चर्यजनक है कि पुरातात्विक खोज कितनी आसानी से गायब हो सकती है, गलत स्थान पर रखी जा सकती है, या रिकॉर्डिंग तकनीकें; चाहे आप इलेक्ट्रॉनिक डेटा का उपयोग करें या पेंसिल और कागज का, चीजें गलत जगह पर और गुम हो सकती हैं।

बहुत व्यवस्थित रहें और उस पर नजर रखें। और फिर बाइबिल अध्ययन के लिए एक उपकरण के रूप में पुरातत्व की सीमाओं को पहचानना। और यह सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण हमें बाइबिल की दुनिया और उसके लोगों को समझने में मदद करता है।

कभी-कभी यह बाइबिल को प्रमाणित करने, प्रमाणित करने में मदद करता है, और कभी-कभी यह वास्तव में बाइबिल को प्रमाणित करता है। लेकिन हमें बस यह पहचानना होगा कि इसकी भी सीमाएँ हैं। और हम इसके कुछ उदाहरण देखेंगे।

क्या पुरातत्व बाइबिल को प्रमाणित कर सकता है? आमतौर पर, पुरातत्व केवल बाइबिल में कही गई बातों का ही समर्थन या पुष्टि कर सकता है। इसका एक अच्छा उदाहरण कुछ चित्रलेख हैं जो एंड्रयूज विश्वविद्यालय को सिनाई में मिले हैं जिनमें पितृसत्तात्मक समय में लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ऊँटों को दिखाया गया है। खैर, क्या इसका मतलब यह है कि यह इब्राहीम के अस्तित्व को साबित करता है? ज़रूरी नहीं।

लेकिन इससे पता चलता है कि ऊँटों का प्रयोग पितृसत्तात्मक काल में होता था। कुछ विद्वानों का मानना था कि यह एक कालभ्रमित बात है और पितृसत्तात्मक काल में ऊँट नहीं होते थे। खैर, सिनाई में ये चित्रलेख धर्मग्रंथ को मान्य करते प्रतीत होते हैं।

हालाँकि, क्या यह इब्राहीम को साबित करता है? नहीं, लेकिन इससे पता चलता है कि वह निश्चित रूप से अस्तित्व में रहा होगा और उसने निश्चित रूप से ऊँटों का इस्तेमाल किया होगा। तो मूलतः हम इसी बारे में बात कर रहे हैं। तो, आप किसी साइट का उत्खनन करना चाहते हैं? क्या आप पवित्र भूमि में खुदाई करना चाहते हैं? आप क्या करते हैं? मुझे याद है कि इज़राइल में एक छात्र के रूप में, हमारे स्कूल में कुछ आगंतुक आते थे।

हमारा स्कूल माउंट सिथ्योन पर स्थित था। यह अभी भी वहाँ है, जेरूसलम यूनिवर्सिटी कॉलेज। हमारे पास दो अमेरिकी थे, आप उनके स्पष्ट अमेरिकी लहजे से बता सकते हैं, हमारे गेट पर आएँ।

उनके पास दो बिल्कुल नए फावड़े और एक बिल्कुल नई गैती थी जो उन्होंने हार्डवेयर स्टोर से खरीदी थी और संस्थान की संपत्ति के बाहर खुदाई करना चाहते थे। और मैंने उन्हें एक तरफ खींच लिया और मैंने कहा, सबसे पहले, आप जो करने के लिए कह रहे हैं वह अवैध है। आपको पुरावशेष विभाग से परमिट लेना होगा।

आप ऐसा नहीं करेंगे, और वे आपको परमिट जारी नहीं करेंगे क्योंकि आप पेशेवर पुरातत्वविद् नहीं हैं। दूसरे, जहाँ आप खुदाई करना चाहते हैं वह भराव है। और यह संभवतः 2000 वर्षों का एक ढीला-ढाला भराव है जिसे आपको स्तरीकृत अवशेष मिलने से पहले खोदना होगा।

मैंने कहा, तो आपकी कार्यप्रणाली ग़लत है। जहाँ आप खुदाई करने का प्रयास कर रहे हैं वहाँ आपको एक पृथक खोज मिल सकती है, लेकिन आप किसी भी ऐतिहासिक प्रश्न का उत्तर नहीं देंगे। दूसरे, यह अवैध है।

और इसलिए, वे एक तरह से कराहते, कराहते रहे और चले गए। लेकिन हाँ, यह विशिष्ट है। यह काफी प्रक्रिया है।

सबसे पहले, यह मानते हुए कि आपके पास प्रशिक्षण और विशेषज्ञता है, आप खुदाई के लिए एक विशिष्ट साइट चुनते हैं और धन जुटाते हैं, आमतौर पर दानदाताओं से। कभी-कभी आपका स्कूल मदद करेगा। आप उस साइट का अध्ययन करते हैं और आप उसे ध्यान से देखते हैं, उसकी सतह पर चलते हैं, कोई सुराग ढूँढते हैं कि शायद गेट कहां था, या शायद कोई ऊंचा बिंदु जहां एक्रोपोलिस, अगर कोई होता, तो होता, और वह वहीं होता आपको शायद अपने मंदिर या महल मिल जाएं।

आप किसी भी प्रकार की वास्तुकला के सतही अवशेषों की तलाश करते हैं। हो सकता है कि आप घरों की दीवारों की रूपरेखा या कुछ और देख सकें। और फिर आप खुदाई करते हैं या सर्वेक्षण करते हैं? अधिकांश पुरातत्व परियोजनाएँ दोनों करती हैं।

हमें यह समझना होगा कि पुराने नियम के दौरान, अधिकांश लोग शहरों और कस्बों में रहते थे। शांति के समय में कुछ खेत-खलिहान होते थे, लेकिन आमतौर पर वे चारदीवारी वाले कस्बों या शहरों में होते थे। एक शोध डिज़ाइन।

इसलिए, आप क्या करना चाहते हैं, आपके क्या प्रश्न हैं और आप किन प्रश्नों का उत्तर चाहते हैं, इसके लिए आपको बहुत सावधानी से शब्दों में योजना बनानी होगी। और बजट विशेषज्ञों के साथ, आपकी खुदाई की सभी छोटी-छोटी बातें पूरी हो जाती हैं।

आपको एक परमिट खरीदना होगा और खुदाई करने की मंजूरी लेनी होगी। और वह इज़राइल, IAA, फ़िलिस्तीनी पुरावशेष विभाग और जॉर्डन के पुरावशेष विभाग में होगा। और यह उन तीन क्षेत्रों या देशों के लिए है।

और ये महंगे हैं। इन्हें हर साल रिन्यू कराना पड़ता है। आप आमतौर पर एएसओआर, अमेरिकन स्कूल ऑफ ओवरसीज रिसर्च, या एआईए, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्कियोलॉजी से संबद्धता प्राप्त करना चाहते हैं, ताकि आपको वैध बनाया जा सके, सम्मान दिखाया जा सके और संभवतः अनुदान प्राप्त किया जा सके।

और फिर, निश्चित रूप से, आपके मेजबान देश के डीओए अधिकारी परियोजना की देखरेख करेंगे। तो, आप देखिए, इसमें बहुत कुछ है। वित्त।

फिर से, दानदाताओं, स्वयंसेवकों से धन जुटाना। आपको स्वयंसेवकों को अपनी खुदाई पर काम करने के लिए प्रेरित करने के लिए विज्ञापन देना होगा और विचारकों को बाहर निकालना होगा। और यदि आप इसे किसी स्कूल के माध्यम से कर रहे हैं, जो कि अधिकांश हैं, तो अधिकांश परियोजनाएं स्कूलों के माध्यम से होती हैं, आपके पास ऐसे छात्र हैं जो अकादमिक क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं।

फिर से कर्मचारियों की भर्ती। आपका विशेषज्ञ अवश्य किया जाना चाहिए। उपकरण महंगे हैं, और कई बार बहुत सारे उपकरणों को सालाना नवीनीकृत करने की आवश्यकता होती है।

और आप उन सभी तार्किक मुद्दों को सामने आते हुए देख सकते हैं। और फिर अंततः, स्थानीय और क्षेत्रीय सर्वेक्षण होते हैं। आपको अपनी साइट को संदर्भ में देखना होगा।

और इसलिए आप केवल अपनी साइट को नहीं देख रहे हैं, बल्कि आपको आसपास के क्षेत्र को देखना होगा और उसका अध्ययन करना होगा, शायद सर्वेक्षण करना होगा, और एक बड़े क्षेत्र के संदर्भ में अपनी साइट को देखना होगा। बहुत, बहुत महत्वपूर्ण। तो बहुत कुछ, बहुत कुछ इसमें चला जाता है।

ठीक है, संक्षेप में कहें तो, हम क्या खोजते हैं? उत्तर. सबसे पहले तो आप जिस स्थल पर उत्खनन कर रहे हैं, उसका प्राचीन नाम क्या था? उनमें से कुछ, फिर से, अरबी नाम के कारण बने हुए हैं। स्थलाकृतिक नाम संरक्षित है।

अन्य नहीं हैं. हमने तीन साइटों पर काम किया है। मैंने जॉर्डन में तीन साइटों पर काम किया है।

और उनमें से दो साइटों का हमारे पास अरबी में कोई नाम संरक्षित नहीं है। लंबा जलूल, जिसके निकट हमें कोई प्राचीन नाम नहीं मिलता। खिरबेट सफरा, जो सफरा के अर्थ के कारण स्पष्ट रूप से एक आधुनिक अरबी नाम है।

फिर से, हमें सफरान मिलता है, यह एक पीला, पीला खंडहर है। और हमारी साइट पर पीली चट्टान और पत्थर हैं। तो यह स्पष्ट रूप से एक आधुनिक नाम या अर्ध-आधुनिक नाम है।

दूसरों का प्राचीन नाम संरक्षित है, जैसे हेशबोन के लिए टाल हिस्पैन। ठीक है, तो साइट की पहचान, निपटान की अवधि। आपकी साइट का निपटान कब हुआ था? इस पर कब कब्ज़ा किया गया? क्या इस पर न्यायाधीशों के काल में या राजतंत्र के काल में, कुलपतियों के काल में कब्ज़ा किया गया था? वहां क्या था, समय-सीमा क्या थी? और इसे क्यों छोड़ दिया गया? क्या यह एक मानव एजेंट था जो परित्याग का कारण बना, शायद विनाश? क्या शहर जला दिया गया था, या अकाल था, या भोजन की कमी थी? तो, लोग चले गये.

क्या यह भूकंप था? क्या कारण था कि शहर छोड़ दिया गया या छोड़ दिया गया? वहां कौन रहता था? निवासियों की जातीयता. क्या वे इस्राएली थे? क्या वे मोआबी, अम्मोनी, या अरामी थे? इनमें से कुछ लोगों के समूहों को भौतिक संस्कृति में पहचानना कठिन है। कुछ निश्चित संकेतक हैं.

कुछ मिट्टी के बर्तन कुछ खास जातियों के लिए अद्वितीय हैं। कुछ, कुछ कलाकृतियाँ हैं, कुछ पाई गई हैं, लेकिन कभी-कभी यह बहुत, बहुत कठिन होता है। ठीक है।

और यदि नष्ट हुआ तो किसने किया, किसने किया? और फिर, कभी-कभी आप सुराग पा सकते हैं, जैसे, उदाहरण के लिए, यरूशलेम की दीवारों के बाहर सीथियन तीर के निशान स्पष्ट रूप से बेबीलोन के विनाश को दर्शाते हैं क्योंकि उन्होंने उस प्रकार के तीर के निशान का इस्तेमाल किया

था। लेकिन अधिकांश समय, यह तब तक कठिन होता है जब तक आपके पास ऐतिहासिक स्रोत न हों। शिलालेख पत्थर, हाथी दांत या चीनी मिट्टी पर, कभी-कभी प्लास्टर, चर्मपत्र या चमड़े के टुकड़ों पर लिखे गए पुरालेखीय सामग्री हैं।

हमेशा उनकी तलाश में रहते हैं। मैं शिलालेखों पर थोड़ा समय बिताना चाहता हूँ और यहां कुछ और चीजों का उल्लेख करना चाहता हूँ। यदि आप मिस्र की यात्रा करते हैं, जहां मैं पिछले महीने ही गया था, तो आप फिर से हर चीज पर, दीवारों पर, स्तंभों पर, हर जगह चित्रलिपि देखते हैं।

वहाँ चित्रलिपि लेखन, चित्रलेख हैं। जब आप मेसोपोटामिया जाते हैं, तो आपको लगातार मिट्टी की गोलियाँ मिलती हैं, और वहाँ उनका भंडार होता है। हमारे पास पढ़ने के लिए इनमें से बहुत सारे, हजारों हैं।

लेकिन जब आप लेवांत में आते हैं, जिसका मतलब सीरिया, जॉर्डन, लेबनान, इज़राइल, फिलिस्तीन है तो लगभग चुप्पी की साजिश होती है। और ऐसा क्यों है? हमारे पास ढेर सारे स्मारकीय शिलालेख या केवल पवित्र भूमि के शिलालेख क्यों नहीं हैं? और फिर, इसे एक प्रकार की दैवीय साजिश के रूप में जाना जाता है। क्यों नहीं? एक संभावना यह है कि लेवांत के उस क्षेत्र के लोगों ने, शायद प्लास्टर पर, पत्थर या मिट्टी की ईंट की दीवारों के ऊपर शिलालेख लिखे होंगे, और इसे स्याही से लिखा होगा।

और वह बच ही नहीं पाया। इसलिए, हमारे पास बहुत सारे खड़े पत्थर, मैसिवोट और अन्य स्मारक हैं जो नंगे हैं। और वे अंकित नहीं हैं, वे उकेरे नहीं गए हैं, वे नहीं हैं, पत्थर में कोई चीरा नहीं लगाई गई है, जिससे कुछ भी पढ़ा जा सके।

हमारे पास ओस्ट्राका है, जो बेशक स्याही है, लेकिन कभी-कभी वे मिट्टी के बर्तनों पर जीवित रहते हैं। क्यों नहीं, स्मारकीय शिलालेख क्यों नहीं? खैर, शायद यही कारण है कि उन्हें लगाया गया था; उन पर प्लास्टर लगाया गया, प्लास्टर पर लिखा गया, और वह वर्षों में खराब हो गया। अब, हम ऐसा कहने का कारण यह है कि 1967 में जॉर्डन में तेल दिर अल्लाह नामक साइट पर, यह संभवतः बाइबिल सुक्कोट की साइट है, एक डच पुरातत्वविद् हैक फ्रेंकेन, साइट की खुदाई कर रहे थे, और उनके कर्मचारी एक के माध्यम से काम कर रहे थे। अभयारण्य और, और, और फर्शों तक सफाई।

उन्हें एक प्लास्टर की हुई दीवार मिली जिसे नष्ट करके संरक्षित किया गया था। उस पलस्टर वाली दीवार पर स्याही से लिखा हुआ एक विशाल, लंबा पाठ था। यह अंदर था, यह अंदर था, यह बहुत खंडित था और उस दीवार को हटाकर संरक्षित करना बहुत मुश्किल था, लेकिन उन्होंने ऐसा किया।

और उस खोज के कारण, वे थोड़े बाद के संदर्भ में बोर के पुत्र बालाम का नाम पढ़ने में सक्षम हुए, जिससे पता चला कि वह उनके इतिहास में एक धार्मिक व्यक्ति था। और फिर, गिनती 22 से 24 तक की कथा की कुछ हद तक पुष्टि करते हुए बिलाम ने इसराइल को इसराइल के खिलाफ नहीं बल्कि इसराइल के लिए जो भविष्यवाणी सुनाई थी। तो, ये महत्वपूर्ण खोजें हैं, लेकिन फिर,

यह एक तरह से संयोग ही था कि उस प्लास्टर की दीवार सदियों से संरक्षित थी, शायद नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व की।

लेकिन क्योंकि ऐसा था, हमारे पास बिलाम का उल्लेख करने वाला यह लंबा पाठ है। तो यह मूल रूप से, स्मारकीय शिलालेखों की इस बहुत ही कमी का शायद सबसे अच्छा स्पष्टीकरण है। मेशा स्तेल और कुछ अन्य मोआबाइट शिलालेखों के अलावा हमारे पास बस छोटे-छोटे टुकड़े हैं, बहुत कम।

तो, एक भौतिक सांस्कृतिक वस्तु मनुष्य द्वारा बनाई, बदली, आकार दी गई या जमा की गई कोई भी चीज़ मात्र है। और इसलिए वे हैं, वे तीन चीज़ें हैं जिन्हें हम संभवतः खोजते हैं, जरूरी नहीं कि उसी क्रम में हों। मुझे लगता है कि शिलालेख सबसे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हमारे पास सवालों के जवाब हैं।

और फिर निःसंदेह, सांस्कृतिक वस्तुएं जो हमें बताएंगी और थोड़ा और विस्तार से बताएंगी कि वहां कौन रहते थे और क्या हुआ था। तो, हम इस उद्घरण के साथ समाप्त करते हैं, पत्थर चिल्लाते हैं। हमें बस बहुत ध्यान से सुनने की जरूरत है।'

ठीक है। हमने मिट्टी के बर्तनों के बारे में थोड़ी बात की। मिट्टी के बर्तन इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं? मुझे मिट्टी के बर्तनों और कारों के बीच समानता बनाना पसंद है।

और 1960 के दशक में, मस्टैंग नामक एक बहुत ही लोकप्रिय फोर्ड कार पेश की गई थी। और मस्टैंग अप्रैल 1964 में सामने आई और इसने बाजार में तूफान ला दिया। 1966 के मध्य तक, 2 मिलियन मस्टैंग हमारी सड़कों पर थे।

मस्टैंग सबसे लोकप्रिय बेहद लोकप्रिय स्पोर्ट्स कार थी। यह अभी भी उत्पादन में है। अब, यदि आप कार प्रेमी या कार लड़की हैं, और आप 1964, 1965 मस्टैंग को 2022, 2023 मस्टैंग के बगल में रखते हैं, जहां वे दोनों मस्टैंग हैं, तो वे दोनों फोर्ड द्वारा बनाई गई हैं।

उन दोनों में फेंडर, हेडलाइट्स, ग्रिल्स, इंजन, रियर-व्हील ड्राइव और बहुत सारी समानताएं हैं, लेकिन आप उन दोनों कारों को देख सकते हैं और तुरंत जान सकते हैं कि उनमें से एक समकालीन है। एक 2023 में बनाया गया था। दूसरा स्टाइल के कारण 60 साल के करीब पुराना है।

यदि आप 65 मस्टैंग से एक फेंडर और 2023 मस्टैंग से एक फेंडर एक साथ रखते हैं, तो उन दोनों का कार्य और मूल आकार समान है, लेकिन आप शैली से बता सकते हैं कि वे पीढ़ियों से अलग हैं। मिट्टी के बर्तनों के लिए भी यही बात लागू होती है। मिट्टी के बर्तनों का उपयोग हमेशा एक ही कार्य के लिए किया जाता है: भोजन भंडारण, भोजन तैयार करना, भोजन परोसना और अन्य उपयोग।

लेकिन पूरे इतिहास में मिट्टी के बर्तनों के स्वरूप और मिट्टी की शैलियों में बदलाव आया है। और इसलिए, पुरातत्ववेत्ता के रूप में, हमें यह पता चलता है कि हम क्या देख रहे हैं और इसे कब

बनाया गया था। अब, पुरातत्व में एक अच्छा सिरेमिक विशेषज्ञ, विलियम जी डेवर कहते हैं, एक बर्तन को देख सकता है और आपको बता सकता है, सबसे अच्छा, शायद उसके उत्पादन के 50 वर्षों के भीतर।

और यह बहुत अच्छा है. मिट्टी के बर्तनों के लिए अच्छा सापेक्ष कालक्रम। यह सिक्कों जितना अच्छा नहीं है, लेकिन यह काफी अच्छा है।

अधिकांश बार हम इसे एक शताब्दी के भीतर ही प्राप्त कर सकते हैं। मिट्टी के बर्तन हमें बहुत कुछ बताते हैं। वैसे, स्पष्ट करने के लिए, बर्तन मिट्टी के बर्तनों का एक साधारण टूटा हुआ टुकड़ा मात्र हैं।

सबसे पहले, मिट्टी के बर्तन अविनाशी हैं। आप इसे जला सकते हैं, और आप इसे तोड़ सकते हैं, टुकड़े अभी भी वहीं रहेंगे। वे सड़ते नहीं हैं, और खराब नहीं होते हैं।

और वे हर जगह हैं. यदि आप इनमें से किसी भी प्राचीन स्थल को देखने के लिए पवित्र भूमि पर जाते हैं, तो आप लगभग पूरे समय टूटे हुए मिट्टी के बर्तनों पर चलते रहेंगे। और आप देख सकते हैं कि वे अभी भी वहीं हैं।

वे अभी भी वहीं हैं. ठीक है, तो हमने शैलियों के बारे में बात की, जैसे मिट्टी के बर्तनों की शैलियाँ, जो सदियों से बदल गई हैं। यह एक तरीका है जिससे वे हमारी मदद कर सकते हैं, और वह है डेटिंग।

किसी साइट की डेटिंग, क्योंकि इब्राहीम के समय के मिट्टी के बर्तन, मान लीजिए, डेविड और सोलोमन के समय के मिट्टी के बर्तनों के करीब नहीं दिखते। वहां बहुत फर्क है. तो, तारीख.

दूसरा है जातीयता. मिट्टी के बर्तनों के कुछ रूप और शैलियाँ कुछ खास लोगों के लिए अद्वितीय हैं। और मैं इसे यहां हमारी स्लाइड पर इंगित करना चाहता हूँ।

यहां मिट्टी के बर्तनों का संग्रह शिलोह या शिलोह की बाइबिल साइट से है। यह न्यायाधीशों के काल का प्रारंभिक इज़राइली मिट्टी का बर्तन है। कॉलर रिम जार, बर्तन, यहां छोटे जार, कटोरे, आदि, क्रेटर।

यहाँ पर देखें। यह पलिशियों के समकालीन मिट्टी के बर्तन हैं। वही समय और तारीख.

ठीक है, वही तारीख और एक ही क्षेत्र के करीब। अंतर पर ध्यान दें. बहुत अधिक महीन, इसमें फिसलन और रंग है।

इसमें डिज़ाइन, कलात्मक डिज़ाइन हैं। और यह हमें बताता है कि यह एक अलग संस्कृति है, अलग-अलग लोग हैं। अब, कभी-कभी पलिशती मिट्टी के बर्तनों के एक या दो टुकड़े इज़राइली स्थलों पर पहुँच जाते हैं और इसके विपरीत भी।

लेकिन अगर आपके पास वह है जिसे हम एक संयोजन कहते हैं, जैसे कि सैकड़ों फॉर्म, सैकड़ों जहाज, और शायद दो या तीन फिलिस्तीनी हैं, 98% इजरायली हैं, तो आपके पास एक इजरायली साइट है और इसके विपरीत। तो, यह जातीयता बताता है। ठीक है, कुछ मामलों में यह बिल्कुल स्पष्ट है।

अब, कभी-कभी, यह सजातीय है। यह वही मिट्टी के बर्तन हैं जिनका उपयोग विभिन्न लोगों के लिए किया जाता है। साथ ही, आपके पास ऐसे कुम्हार भी हैं जो विभिन्न कस्बों और शहरों में जाते हैं।

एक शहर अम्मोनी हो सकता है, एक शहर मोआबी हो सकता है, एक शहर इस्राएल का हो सकता है, और वे सभी एक ही मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे साम्राज्य उभरते और विकसित होते हैं, मिट्टी के बर्तनों का विकास अलग-अलग दिशाओं में होता है। और फिर आप जातीयता में अंतर बता सकते हैं।

समृद्धि का स्तर. मिट्टी के बर्तन हमें बताएंगे कि चीजें कैसे चल रही हैं। अब, यहाँ इस मिट्टी के बर्तन को देखें जो इज़राइली है।

यह भारी है, यह भद्दा है, इसमें कोई पेंटिंग नहीं है, कोई फिसलन नहीं है। यह पहिया घुमाया हुआ है, लेकिन बहुत बुनियादी है। और यह हमें बताता है कि वास्तव में एक कारीगर वर्ग के उभरने का समय नहीं है और, आप जानते हैं, इसे सुंदर बनाने, इसे चित्रित करने, इसे सजाने के लिए मिट्टी के बर्तनों पर अतिरिक्त समय खर्च करें।

यह पूर्णतः उपयोगितावादी है। यह शरीर और आत्मा को एक साथ रखना और अपना काम करना, भोजन या पानी या कुछ भी रखना है। दूसरी ओर, इस पलिश्टी, माइसीनियन शैली के मिट्टी के बर्तनों में सुंदरता है।

इससे एक कारीगर को उसे पेंट करने और उस पर स्लिप और रंग डालने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ी। लेकिन यह सुंदर है। और यह हमें बताता है कि न्यायाधीशों के काल में पलिश्टी संस्कृति इजरायली संस्कृति की तुलना में आर्थिक रूप से कहीं अधिक उन्नत, सांस्कृतिक रूप से उन्नत थी।

और वह, फिर से, बाइबिल पाठ के साथ काफी अच्छी तरह से मेल खाता है। अब, यदि आपको कुछ इमारतों के कुछ कमरों में कुछ मिट्टी के बर्तन मिलें, तो आप समझ सकते हैं कि वहाँ क्या चल रहा था। शायद यह कोई भंडारण कक्ष, भण्डार कक्ष, या रसोई या कुछ और था।

आप वहाँ जो पाएंगे वह आपको सामान्यतः बता देगा कि वहाँ क्या चल रहा था। और हम मान रहे हैं कि मिट्टी के बर्तन यथास्थान हैं, वह नष्ट हो गए या ढह गए, उस पर छत गिर गई। और इसलिए, यह एक साफ-सुथरा संयोजन है, जिसका अर्थ है कि इसे इधर-उधर नहीं किया गया है।

और इसलिए ये भी आपको बता सकता है। यदि आपके पास किसी विदेशी देश से आए मिट्टी के बर्तन हों, जैसे कि साइप्रस से या उत्तरी सीरिया से या मिस्र से, इन स्थलों पर दिख रहे हों तो क्या

होगा? खैर, यह आपको बताता है कि किसी प्रकार का व्यापार चल रहा है। हम मिट्टी के बर्तनों पर न्यूट्रॉन सक्रियण विश्लेषण कर सकते हैं और सटीक रूप से जान सकते हैं, या ठीक-ठीक नहीं कह सकते हैं, लेकिन यह जान सकते हैं कि वह बर्तन कहाँ बने थे और वह मिट्टी कहाँ से आई थी।

इसलिए, भले ही यह एक जैसी दिखती हो, वह मिट्टी काफी दूर किसी स्थान से बनाई गई हो सकती है। और फिर, यह आपको बताता है कि किसी प्रकार का व्यापार है। तो, मिट्टी के बर्तन, फिर से, हमें इन पहलुओं के बारे में बहुत सारी जानकारी देते हैं जिन्हें पुरातत्वविद् देखते हैं और उत्तर खोजने का प्रयास करते हैं।

यहां ऊपरी दाहिनी ओर यह तस्वीर वास्तव में आपकी है, जिसमें मिट्टी के बर्तनों का एक विशाल भंडार दिखाई दे रहा है, जिसे हमने 2009 में जॉर्डन, ताल जलुल, एंड्रयूज विश्वविद्यालय की साइट पर खोजा था। और यह सब लगभग 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व, यशायाह के समय का है। यह एक कमरा था जो मिट्टी के बर्तनों, मिट्टी के बर्तनों के टूटे हुए टुकड़ों से भरा हुआ था।

आप देख रहे हैं कि विशाल, विशाल भंडार वहां मेज पर रखा हुआ है। ठीक है, व्यापार के उपकरण। और ये कुछ चीजें हैं जिनका उपयोग हम पुरातत्व में करते हैं।

एक थियोडोलाइट, जिसका उपयोग अब स्तर लेने के लिए बहुत अधिक नहीं किया जाता है। अब हम ऊपर दाईं ओर मौजूद एक जीपीएस का उपयोग करते हैं, जो उपग्रह का उपयोग करके हमें एक निश्चित सतह की सटीक ऊंचाई और स्थान देता है जिसे हम मापना चाहते हैं। फिर, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप साइट के विभिन्न वर्गों और विभिन्न हिस्सों के साथ काम कर रहे हैं, और आप स्तरों और दीवारों और जो भी हो, अपनी साइट के उन बिंदुओं के बीच संबंध देख सकते हैं जो शायद बहुत दूर हैं।

और वे आपको ऊंचाई के लिए सटीक रीडिंग देंगे और जान सकेंगे कि दूरियों की तुलना में ये दीवारें कहाँ हैं। ठीक है। यहां नीचे दाहिनी ओर स्क्रीन को छान रहे हैं।

हमारे पास एक युवा महिला है जो मिट्टी छान रही है, और स्क्रीन छानने से आपको छोटी वस्तुएं जैसे सील, मोती, छोटी कलाकृतियां, उपकरण, या जो भी छोटी हैं और आसानी से छूट सकती हैं, उन्हें पकड़ने में मदद मिलेगी। तो, हम अपनी सारी मिट्टी छानते हैं, छानने का प्रयास करते हैं। और उसके कारण, बेहतर शब्द के अभाव में हमें ढेर सारी अच्छाइयाँ मिल जाती हैं।

कुछ चीजें जो हमारे पास नहीं हैं उनमें गुफा भी शामिल है। हमारे यहां उत्तरी अमेरिका में ऐसा नहीं है। यह एक पुराना, पुनः उपयोग किया जाने वाला ऑटोमोबाइल टायर है जिसके कुछ हैंडल बोल्ट या स्टेपल से लगे हैं।

और वे गंदगी हटाने, मिट्टी ढोने के लिए अच्छा काम करते हैं। और वे बहुत अविनाशी हैं। यदि वे टूट जाएं तो आप उन्हें दोबारा बना सकते हैं।

मध्य पूर्व में बहुत लोकप्रिय. राजमिस्त्री की तरह एक ट्रॉवेल भी कलाकृतियों या प्रतिष्ठानों के आसपास सावधानीपूर्वक काम करने के लिए लगभग अपरिहार्य है। यदि आप, फिर से, यदि आप बहुत ही नाजुक काम कर रहे हैं तो एक छोटा सा हाथ उठाएँ और ब्रश करें।

और फिर, टूथपिक और अन्य डेंटल पिक का उपयोग बहुत नाजुक वस्तुओं को साफ करने के लिए भी किया जाता है। तो यह हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले कुछ उपकरणों और यंत्रों का एक छोटा सा अवलोकन है। किसी साइट की खुदाई करने के दो प्रकार के तरीके हैं, और हमने पहले उनका उल्लेख किया है, लेकिन अब मैं और अधिक विस्तार में जाऊंगा।

वहाँ वर्गाकार विधि है. फिर, हमारे पास पाँच गुणा पाँच मीटर के वर्ग हैं। यह वास्तव में छह गुणा छह है, लेकिन आपके पास प्रत्येक वर्ग के चारों ओर सीमाएं हैं।

और हम ये सीमाएँ क्यों छोड़ते हैं? हम पूरी बात साफ़ क्यों नहीं कर देते? खैर, हम अपनी खुदाई को ऊर्ध्वाधर आयाम देने के लिए इन खड़ी सीमाओं या ढेरों को, जैसा कि उन्हें कहा जाता है, छोड़ देते हैं। दूसरे शब्दों में, यदि हम नीचे खोदते हैं, तो हम देख सकते हैं, एक परत केक की तरह, जब आप एक परत केक से एक टुकड़ा काटते हैं, तो आप शायद उस गंदगी की दीवार में एक या दो चरण देख सकते हैं, और शायद हम इसे चूक गए। शायद वहाँ कोई फर्श था, और हमने फर्श खोदा, लेकिन आप इसे ऊर्ध्वाधर थोक में देख सकते हैं।

तो, यह एक प्रकार का नियंत्रण उपकरण है जो हमें अपनी खुदाई में ईमानदार रखता है। और फिर, निःसंदेह, आपको ये चार उजागर वर्ग मिल गए हैं, और आप देख सकते हैं कि फर्श पर क्या है, वहाँ की आधारशिला, क्या यह दीवारें या फर्श हैं या जो कुछ भी आप लेकर आए हैं। लेकिन फिर, आपके पास कुछ स्थान हैं जहाँ आपकी पहुंच नहीं है।

अब, यदि आपको कुछ दिलचस्प लगता है, तो आप दोनों वर्गों की खुदाई के बाद एक बड़ा हिस्सा भी निकाल सकते हैं और इसे एक बड़ा खुला क्षेत्र बना सकते हैं। तो यह बहुत, बहुत लोकप्रिय है। दूसरा तरीका ट्रेचिंग का है।

यह जेरिको के प्रसिद्ध नियोलिथिक टॉवर की तस्वीर है, जो केनियन की खाइयों में से एक है। विशाल। और यह एक और काम है जो हमने जॉर्डन में किया, जो ताल अल-उमायरी नामक स्थान है।

और वह एक प्रकार की खाई थी जो ढलान के साथ रक्षात्मक प्रणालियों के माध्यम से ऊपर जाती थी, और वे साइट की सभी अलग-अलग रक्षात्मक दीवारों की तारीख बताने में सक्षम थे। यहाँ, फिर से, मध्य जॉर्डन के उस महत्वपूर्ण स्थल से उसका एक भाग है। पुरातत्वविदों को विनाश की परतें और लोगों का दुर्भाग्य पसंद है।

जब कोई साइट हिंसक रूप से नष्ट हो जाती है, छतें ढह जाती हैं, या आग लग जाती है, तो सब कुछ एक टाइम कैप्सूल की तरह होता है क्योंकि सब कुछ बिल्कुल वैसा ही होता है जैसे लोगों ने इसे छोड़ा था, शायद कुछ मिनट पहले। और इसलिए, हम मलबे और जली हुई परत और शायद

ढही हुई छत के माध्यम से खुदाई करते हैं, और हमें एक सुंदर सीलबंद स्थान या लोकी मिला है, जो क्षेत्र अद्वितीय और अजीब हैं। और ये अच्छे हैं।

और इसलिए, हम वास्तव में इन सीलबंद लोकी से बहुत सारा डेटा प्राप्त कर सकते हैं। और इसलिए, यह कुछ ऐसा है जिसकी पुरातत्वविद् सराहना करते हैं, भले ही प्राचीन काल में यह एक त्रासदी थी। हमने टेल्स शब्द का बहुत उपयोग किया है, और यह प्राचीन टेल्स के दो उदाहरण हैं।

फिर, बताता है कि यह एक कृत्रिम टीला है, और इसका यही मतलब है। इस शब्द का अरबी और हिब्रू दोनों में अर्थ है। लेकिन वे वास्तव में प्राचीन शहर हैं जो सदियों से नष्ट हो गए, फिर से बनाए गए, नष्ट हो गए, फिर से बनाए गए। अब इन दोनों कथनों के बीच अंतर पर गौर करें।

यह हेरोड घाटी में पश्चिम की ओर देखने वाला बीट शान है। देखो वह कितना लंबा है। उत्खननकर्ताओं के अनुमान के अनुसार, संभवतः हजारों वर्षों में, वहां कई, कई सुपरइम्पोज़्ड शहर हैं, एक के ऊपर एक, 30 तक।

नीचे का विवरण बहुत कम है, और इसमें शायद केवल तीन या शायद चार परतें हैं। वह बियरशेबा को बताता है, वह बाइबिल आधारित बियरशेबा है, बाइबिल आधारित बीट शान है। और वह वास्तव में था, वह स्थल स्पष्ट रूप से न्यायाधीशों की अवधि के दौरान स्थापित किया गया था, और शायद ईसा पूर्व 8वीं शताब्दी के अंत या 7वीं शताब्दी की शुरुआत में नष्ट कर दिया गया था, इसलिए केवल कुछ सौ वर्षों में।

लेकिन फिर भी, आपके पास अंदर शहर की योजना के सबूत हैं, आपके पास स्टोर हैं, बड़े भंडारगृह हैं, आपके पास यहां पानी की व्यवस्था है कि आप भूमिगत जा सकते हैं और शहर से बाहर जाने के बिना पानी प्राप्त कर सकते हैं। तो, यह बहुत अच्छी तरह से योजनाबद्ध और निर्मित किया गया था। यह यहाँ का प्रवेश द्वार है, आंतरिक प्रवेश द्वार है, और यह राजशाही के दौरान यहूदा राज्य का एक शहर था।

लेकिन फिर, कम, क्योंकि यह बीट शान जितना लंबे समय तक नहीं चला। यहां बताने के माध्यम से एक अनुभाग है, और फिर से, आपको एक परत केक के बारे में सोचना होगा, और एक शहर के सभी अलग-अलग उदाहरणों को दूसरे शहर पर स्तरित देखना होगा, और इसी तरह। अब यह भ्रमित करने वाला हो गया है, और यह जटिल हो गया है, क्योंकि हो सकता है कि एक शहर में, वे एक हौज़ बनाते हों, या वे पहले वाले स्तर को काट देते हों, या हो सकता है कि एक स्तर साफ़ हो गया हो और अब उसका अस्तित्व ही न रहा हो, उन्होंने बस उस स्तर को पूरी तरह साफ़ कर दिया है और कुछ और बनाया।

तो, विवरण बहुत जटिल हो सकते हैं, स्ट्रैटीग्राफी बहुत जटिल हो सकती है, इसलिए आपको बहुत सावधानी से खुदाई करनी होगी, और फिर, वह लंबवत खंड आपको बहुत कुछ बताएगा यदि आप इसे अपने थोक में, अपने बीच के क्षेत्र में संरक्षित रख सकते हैं वर्ग। मुझे ये दोनों तस्वीरें बहुत पसंद हैं, क्योंकि बताए गए शहर अभी भी मौजूद हैं, और यहां दो उदाहरण हैं। इराक में आर्बिल, एक प्राचीन शहर कैसा दिखता था इसका सुंदर उदाहरण।

यहां आपको टेल, ग्लासी, टेल का ढलान वाला किनारा, दीवारें और अंदर का शहर दिखाई दे सकता है। और यह एक कामकाजी शहर है जो इराक में एक प्राचीन ओल्ड टेस्टामेंट शैली का शहर है। एक और, अलेप्पो, सीरिया में अलेप्पो गढ़, एक ही सौदा है; आपके पास एक गेट के साथ एक दीवार वाली दीवार है, जैसे वे पुराने नियम में दिखाई देंगे।

तो वे वास्तव में अभी भी मौजूद हैं, कम से कम उन दो परिस्थितियों में। ठीक है, बताने के अलावा दूसरा उदाहरण एक कर्बे है। अरबी में कर्बे का मतलब बर्बादी होता है।

यह बस एक ऐसी जगह है जो सतह पर बहुत गहरी नहीं है; स्ट्रैटिग्राफी बहुत उथली है, और इसके लिए हिब्रू शब्द होर्वाट या होरवा है, जिसका अर्थ समान है। और ये शहर या कस्बे या साइटें हैं, शायद एक फार्मस्टेड, जो भी हो, एक किला, जो केवल थोड़े समय के लिए अस्तित्व में था, और उन्हें छोड़ दिया गया था, और वे संचय और स्तर और जटिल स्ट्रैटिग्राफी बनाने के लिए सदियों से जीवित नहीं रहे। यह हमारी साइट है जिसे हम जॉर्डन में खोजते हैं जिसे खिरबेट सफरा कहा जाता है।

यह एक शीर्ष योजना है, और यह वास्तविक हवाई तस्वीर है। और आप देख सकते हैं, यहां चित्र के माध्यम से यह शायद कठिन है, लेकिन आप दीवार की रेखा देख सकते हैं। आप यहां दीवार के साथ-साथ घरों की कतार देख सकते हैं।

ऐसा बहुत कुछ है जिसे आप सतह पर ही देख सकते हैं। आप दीवार की रेखाएं और विशेषताएं, वास्तुशिल्प विशेषताएं देख सकते हैं, जो सदियों से जीवित हैं। अब, यह एक दुर्लभ खोज है क्योंकि यह संभवतः न्यायाधीशों के काल का शहर है। इसे संभवतः प्रारंभिक राजशाही के दौरान, डेविड के समय में छोड़ दिया गया था या छोड़ दिया गया था, और हम नहीं जानते कि क्यों।

हमारा मानना है कि इसकी स्थापना 1250 ईसा पूर्व के आसपास हुई थी, लेकिन वास्तव में यह फिर कभी नहीं बसा। इसलिए, आपके पास बाद में आने वाले लोग नहीं होंगे, जो साइट को साफ़ कर रहे हों और कुछ और निर्माण कर रहे हों, बीजान्टिन काल में एक क्षेत्र को छोड़कर, वहाँ एक फार्म हाउस था जो हमें यहाँ तक के इस तरफ मिला था। और इसलिए, यह न्यायाधीशों के काल का एक प्राचीन शहर है जो संभवतः डेविड के शासनकाल तक अस्तित्व में था।

और इसलिए वह बाद के कब्जे से दूषित या नष्ट नहीं हुआ है। और यह बहुत दुर्लभ है। तो, हम इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

और हमें इतिहास की रीढ़ कहे जाने वाले उस कालक्रम से जुड़ी कुछ बेहद रोमांचक चीजें भी मिली हैं। मैं आज एंड्रयूज विश्वविद्यालय से बोल रहा हूँ, और एंड्रयूज विश्वविद्यालय में एडविन आर. थीले नाम के एक बहुत प्रसिद्ध पुराने नियम के विद्वान थे। आप वहाँ उसकी तारीखें देख सकते हैं।

वास्तव में उसे यहां बेरियन स्पिंग्स में दफनाया गया है। लेकिन वह पुराने नियम के विद्वान थे जिन्हें शिकागो विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित किया गया था। और उसे बाइबिल कालक्रम, विशेष

रूप से इज़राइल और यहूदा के राजाओं के कालक्रम को हल करने का प्रयास करने का जुनून था।

और केवल पाठ को देखने से तारीखें पंक्तिबद्ध नहीं होंगी। और कई लोगों ने सोचा, ठीक है, शायद पाठ में भ्रष्टाचार था। हो सकता है कि ऐसे लोग हों जिन्होंने बाद में पाठ में बदलाव किया हो, और बाद में पाठ की प्रतिलिपि बनाने वालों ने कुछ किया हो।

लेकिन थिएल वापस गए और पता लगाया कि उन्होंने दो अलग-अलग कैलेंडर, इज़राइल साम्राज्य और यहूदा साम्राज्य, और एक अलग परिग्रहण वर्ष प्रणाली का उपयोग किया था। जब उन्होंने अपना काम खत्म किया, तो उनमें खूबसूरती से सामंजस्य स्थापित हो गया। मेरे पास इज़राइली विद्वान और धर्मनिरपेक्ष विद्वान हैं जो कहते हैं कि जरूरी नहीं कि उनके पास धर्मग्रंथ के बारे में वास्तव में उच्च दृष्टिकोण हो, लेकिन वे कहते हैं कि आप थिएल के साथ बहस नहीं कर सकते।

यह काम करता है। और, और इसलिए, थिएल ने बाइबिल के कालक्रम और अपनी कालानुक्रमिक प्रणाली द्वारा इज़राइल और यहूदा के विभिन्न राजाओं की डेटिंग में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया था। और, निःसंदेह, वह उनकी पुस्तक, द मिस्टीरियस नंबरर्स ऑफ द हिब्रू किंग्स में प्रकाशित हुआ था, जिसके बारे में मुझे मेरे एक इज़राइली प्रोफेसर ने बताया था, आपको दूसरा संस्करण प्राप्त करने की आवश्यकता है, तीसरा नहीं, पहला नहीं।

तीसरा संस्करण: जाहिरा तौर पर, उन्होंने इसमें हेरफेर किया और वास्तव में इसे बनाया, लेकिन उन्होंने इसे उतना अच्छा नहीं बनाया। लेकिन यह महत्वपूर्ण कार्य है और चीजों को सही कालानुक्रमिक स्थान पर रखने के लिए महत्वपूर्ण है। ठीक है।

तो, कालानुक्रमिक तालिका. यह वह अवधि है जिसमें अधिकांश पुरातत्वविद् काम करते हैं। हम यहां नवपाषाण या नए पाषाण युग को याद कर रहे हैं।

ताम्र पाषाण युग, ताम्र पाषाण युग, लगभग 4000 ईसा पूर्व शुरू हुआ, उसके बाद प्रारंभिक कांस्य युग आया। प्रारंभिक कांस्य युग का अंत संभवतः इब्राहीम का काल है। मध्य कांस्य युग, आम तौर पर, मोटे तौर पर कुलपतियों का काल है।

स्वर्गीय कांस्य युग, उत्पीड़न और मिस्र से पलायन की अवधि। लौह युग। बस्ती का काल है। लौह युग ॥ राजशाही, डेविड, सोलोमन और उनके बाद के राजाओं का काल है।

यरूशलेम का पतन, एक छोटी अवधि है जिसे कुछ विद्वान बेबीलोनियन काल कहते हैं, लेकिन फिर फारसी काल 539 ईसा पूर्व में शुरू हुआ और 333 ईसा पूर्व तक चला और अलेक्जेंडर के तहत हेलेनिज्म का आगमन हुआ। और फिर, निश्चित रूप से, 63 ईसा पूर्व में समाप्त होता है जब पोम्पी ने यरूशलेम पर विजय प्राप्त की, रोमन काल शुरू हुआ, जो समाप्त होता है या संक्रमण होता है, मुझे कहना चाहिए, कॉन्स्टेंटाइन के शासनकाल के दौरान बीजान्टिन काल में। और यह 7वीं शताब्दी ईस्वी में बीजान्टिन साम्राज्य के इस्लाम में पतन तक जारी रहा।

तो यह मोटे तौर पर समय की वह अवधि है जिससे पवित्र भूमि में काम करने वाले, बाइबिल पुरातत्व में काम करने वाले पुरातत्वविद् निपटते हैं। अब उत्पत्ति हिब्रू शब्द टोलेडोट, या इतिहास या वंशावली का उपयोग करती है, जिसमें उत्पत्ति 10 में राष्ट्रों की तालिका भी शामिल है, एडम से बाढ़ तक की लंबी अवधि के बजाय क्षेत्रों या युगों को संक्षिप्त या उजागर करने के लिए। इसलिए, यह इस बात पर चर्चा करने का समय या तरीका नहीं है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है, बल्कि हमें यह समझना होगा कि मेरा मानना है कि ये संघनित हैं।

हमारे पास बाइबल में अन्य वंशावली सूचियाँ हैं जो स्पष्ट रूप से दिखाती हैं कि कुछ संक्षिप्त हैं और कुछ भरी हुई हैं। तो, ये बिशप अशर द्वारा सुझाए गए प्रसिद्ध 4004 ईसा पूर्व की तुलना में बहुत लंबे समय तक, शायद दसियों हजार वर्षों तक भी चल सकते थे। ठीक है, इस श्रृंखला की अंतिम स्लाइड यह है कि मैं इसका उपयोग अपने छात्रों के साथ यह दिखाने के लिए करता हूँ कि पुरातत्व क्या है, और पुरातत्वविद् क्या करने का प्रयास करते हैं।

यहां दी गई तस्वीर 19वीं सदी के उत्तरार्ध की एक लॉग संरचना की है, एक हाथ से बनाई गई लॉग संरचना जो एक चैपल थी। यह आज बेथेल विश्वविद्यालय, मिशावाका, इंडियाना के परिसर में मौजूद है। इसे टेलर मेमोरियल चैपल कहा जाता है।

हालाँकि, इसे मूल रूप से काफी दूर यूनियन, मिशिगन में बनाया और बनाया गया था। और मेरे विचार से, 1980 के दशक तक जब धन जुटाया गया, तब तक यह विभिन्न जीर्ण-शीर्ण अवस्था में वहीं खड़ा था; मिशनरी चर्च संप्रदाय के लिए इसका कुछ महत्व है। उन्होंने इस चैपल को तोड़ दिया और इसे मिशावाका ले गए, इसके नीचे सीमेंट की नींव और सीमेंट का फर्श लगाया, इसमें तारें लगाईं, इसमें आधुनिक खिड़कियां लगाईं, बिजली लगाई, और टुकड़ों के बीच के अंतराल को भरने के लिए नई सामग्री का उपयोग करके इसे फिर से खड़ा किया। लकड़ी, लकड़ी की परतें।

और आज यह एक तरह से ऐतिहासिक स्थल है। अब, एक अभ्यास के रूप में, इस बारे में सोचें कि यह समय के साथ आगे बढ़ेगा, शायद 500 साल, और टेलर मेमोरियल चैपल खंडहर हो जाएगा। और शायद यह अभी भी खड़ा है, शायद यह ढह गया है, लेकिन वहां कुछ है, जो पुरातत्वविदों के आने के लिए पर्याप्त है।

और तर्क के लिए कहें तो पुरातत्वविदों के पास यह बताने वाले ऐतिहासिक स्रोत नहीं हैं कि यह क्या है या यह वहां क्यों था। तो यह पुरातत्वविदों के लिए एक समस्या पैदा करता है क्योंकि उस समय पुरातत्वविद् इस चैपल के निर्माण के तरीके, शैली, लकड़ी और जिस तरह से लकड़ी थे, उसे देखेंगे और पहचानेंगे कि यह संभवतः 18 वीं या 19 वीं शताब्दी ईस्वी की है। यह 19वीं, बाद की 20वीं सदी नहीं है, बिल्कुल भी नहीं।

अतः निर्माण सामग्री की शैली 19वीं शताब्दी है। हालाँकि, इसका फर्श, आधार और विद्युत प्रणाली के अवशेष 20वीं सदी के उत्तरार्ध के हैं। इसलिए, उन्हें पता लगाना होगा, उन्हें व्याख्या करनी होगी कि यहां क्या हुआ।

और केवल एक चीज जो वे शायद ऐतिहासिक स्रोतों के बिना कर सकते हैं वह यह है कि इसका पुनर्निर्माण किया गया, नया रूप दिया गया और आधुनिकीकरण किया गया, एक पुरानी इमारत जिसे आधुनिक बनाया गया और वहां रखा गया और फिर वापस जोड़ दिया गया। इसलिए, उन्हें यह पता लगाना होगा कि 20वीं सदी के अंत में क्या हो रहा है। अब, क्या वे इसकी तिथि इससे बेहतर बता सकते हैं? ठीक है, शायद वे ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि यदि वे सीमेंट के फर्श को तोड़ते हैं या तोड़ते हैं, तो उन्हें प्लास्टिक की पॉप बोतलें या खींचने वाले टैब या, या वस्तुएं, शायद एक होलस्टाइस रैपर या, आप जानते हैं, कुछ ऐसा मिल सकता है, जो नहीं होगा।' यह खराब हो जाएगा, खराब नहीं होगा, जो कि वे जो देखते हैं उसके कारण इसे 20वीं सदी के अंत की तारीख दे सकते हैं, शायद एक दशक के भीतर।

और इसलिए, और सिक्के, निश्चित रूप से, शायद कंक्रीट कारीगर ने एक चौथाई या एक पैसा या कुछ भी गिराया हो, और इससे हमें एक तारीख मिल सकती है। क्योंकि यदि आपके पास एक, मान लीजिए, एक चौथाई है, और यह एक मंजिल के नीचे पाया जाता है, और वह तिमाही दिनांकित है, मान लीजिए, 1982, ठीक है, उस मंजिल को 1982 के बाद में रखा जाना चाहिए क्योंकि वह सीलबंद है, वह सिक्का उस मंजिल में सीलबंद है, यह नहीं हो सकता, सिक्का फर्श से बाद का नहीं हो सकता। और इसलिए वह फर्श, फिर से, 1982 के बाद दिनांकित या डाला गया था।

पुरातत्ववेत्ता प्राचीन स्थलों पर भी इसे दोबारा देखते हैं। इसलिए यह भविष्य में पुरातत्वविदों के लिए एक चुनौती होगी। जब तक उनके पास ऐतिहासिक स्रोत नहीं होंगे, वास्तव में क्या हुआ, वे शायद कभी यह पता नहीं लगा पाएंगे कि यह यूनियन, मिशिगन से आया है। फर्श योजना के कारण वे अनुमान लगा सकते हैं कि यह एक चैपल है क्योंकि इसमें कोई आंतरिक कमरे नहीं हैं; यह सिर्फ एक बड़ा कमरा, मीटिंग हॉल, या शायद एक स्कूल है।

शायद वे अंदाज़ा लगा सकते हैं कि इमारत का उद्देश्य क्या होगा, लेकिन इससे ज़्यादा कुछ नहीं। यह एक चुनौती होगी. तो पुरातत्ववेत्ता ऐसा ही करते हैं और जब वे क्षेत्र में काम करते हैं तो उन्हें कुछ सवालों के जवाब देने होते हैं।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 3, पुरातत्व पद्धति है।